पाठ-४

पापा जब बच्चे थे।

अलेक्सांद्रस्किन

• कठिन शब्द

१- चौकीदार
२- शंटिंग
३- अजनबी
४- समस्या
५- हैरानी
६- कोशिश
७- यकीन
८- अक्सर
९- अभिलाषा
१०- गँवाना

• शब्द अर्थ

१- उलझन-सोच, कठिनाई
२- अभिलाषा-इच्छा
३- तय करना-निश्चय करना
४- गँवाना-खोना
५- अचंभा-हैरानी
६- अजनबी-अनजान आदमी
७- यकीन-विश्वास
८- अक्सर-ज्यादातर

• अति लघु प्रश्न-उत्तर

प्र-१ पापा के अनुसार चौकीदार बनने का क्या फायदा था?

उ-१ सारा शहर सोता है ।

प्र-२ स्टेशन पर अजीब खेल खेलने वाला व्यक्ति कौन था?

उ-२ शटिंग वाला।

प्र-३ आइसक्रिम बेचने के लिए पापा ने कौन सा समय चुना?

उ-३ सुबह का।

• लघु प्रश्न उत्तर।

प्र-१ पापा आइसक्रिम बचने वाला बनने की बात पर क्यों अड़े रहे?

उ-१ पापा आइसक्रिम बेचने वाला इसलिए बनना चाहते थे।क्यों कि जितनी चाहो उतनी आइसक्रिम खा सकते है।

प्र-२ शंटिंग किसे कहते है?

उ-२ शंटिग करनेवाला जब रेलगाड़ी अपनी यात्रा पूरी कर लेती है तो उसे अगली यात्रा के लिए तैयार करना होता है।जैसे साफ-सफाई करना इंजन को घुमाकर ईधन-पानी भरा जाता है।

• दीर्घ प्रश्न उत्तर।

प्र-१ पापा आइसक्रिम बेचने और शंटिंग करने का काम एक साथ कैसे करते?

उ-१ पापा सुबह स्टेशन पर जाते समय आइसक्रिम का ठेला साथ ले जाते और

स्टेशन के बाहर रख देते है और फिर शंटिंग का काम करके शाम को फिर से

आइसक्रिम बेचते इस तरह दोनों कार्य करते।

प्र-२ पापा को अफसर की कौन सी बात समझ में आ गई थी?उसका क्या परिणाम हुआ?

उ-२ पापा को अफसर की इंसान बनाने की बात समझ आ गई उसका परिणाम ये हुआ कि पापा ने समझ लिया कि हमे सबसे पहले अच्छा इंसान बनना चाहिए।स

• अनुच्छेद- समय का महत्व।

समय एक अमूल्य वस्तु के साथ-साथ अमूल्य धन भी होता है।समय की किमत धन से बहुत अधिक होती है इसलिए समय अमल्य होता है।धन आज है कल नष्ट

हो जाएगा लेकिन एक बार समय अतीत की गर्त में समा जाता है तो वह चाहकर भी

वापस नही आता ।हमारा कर्तव्य है कि हमें दिन में जो भौ काम दिया जाए उसे सुबह ही निशचित कर लेना चाहिए।दिन में उसे खत्म कर लेन चाहिए।स्कूल के बाद में जो भी समय मिले उसे अनय कलाओं को सिखने में करना चाहिए।बेकार की बातों में समय बर्बाद नही करना चाहिए।आज के काम को कल पर नही छोड़न चाहिए।समय बहुत बलवान होता है यह किसी के लिए नही रूकता और न ही किसी का इंतजार करता है।यह लगातर चलता रेहता है।प्रत्येक मनुष्य के जीवन में कोई-न-कोई लक्ष्य होता है जीवन में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें समय के महत्व को समझन चाहिए।

पत्र-लेखन

गोष्मऋतु में नानी के घर ले जाने का अनुरोध करते पत्र ।

किती शर्मा

ब-११ श्याम नगर

चाँदखेड़ा

दिनांकः-------

आदरणीय पिता जी

सादर प्रणाम,

ह्म सब यहाँ पर कुशलता पूर्वक है।आशा करता हूँ आप भी कुशलता से होगे।मैने यह पत्र आप को यह बताने के लिए लिखा है कि अब हमारी गर्मी की छुटटीयाँ आ रही है तो हमें नानो

के घर जाने की आज्ञा दे ।

आपका पुत्र

राम